अनुक्रमणिका

1.	परिचय	1
2.	कड़कनाथ कुक्कुटों के आवास की संरचना एवं सिद्धांत	2
3.	कड़कनाथ कुक्कुट प्रबंधन	2
4.	कड़कनाथ चूजें आने के पूर्व की तैयारी	2
5.	कड़कनाथ चूजें के आने पर व्यवस्था	3
6.	कड़कनाथ चूजों का रखरखाव	3
7.	कड़कनाथ चूजों में बूडिंग प्रबंधन	4
8.	कड़कनाथ चूजों के अनुकूल वातावरण कैसे ज्ञात करें	5
9.	कड़कनाथ चूजों में दाना एवं पानी देने का तरीका	6
10.	दाना मिलाने का तरीका एवं दाना रखने में सावधानियां	7
11.	टीकाकरण	8
	1. टीका एवं डायकूएक्ट पिलाने का तरीका	
	2. टीकाकरण करने का तरीका	
	3. सावधानियां	
12.	अण्डादेय मुर्गियों में डीविकिंग (चोंच कटाई)	11
13.	कड़कनाथ कुक्कुट आहार	12
	1. मॉस हेतु कड़कनाथ कुक्कुटों के लिए विभिन्न आहार	
	2. अण्डा हेतु कड़कनाथ कुक्कुटों के लिए विभिन्न आहार	
	3. अण्डादेय कड़कनाथ कुक्कुटों में दाने की खपत	
14.	कड़कनाथ कुक्कुट पालन हेतु मौसम अनुसार प्रबंधन	14
	1. वर्षा के मौसम में प्रबंधन	
	2. शीतकालीन मौसम में प्रबंधन	
	3. गर्मी के मौसम में प्रबंधन	
15.	अण्डादेय कड़कनाथ मुर्गियों में प्रबंधन	18
16.	कड़कनाथ कुक्कुटों में होने वाली बीमारिया	23
17.	सफलता की कहानी	28
18.	कड़कनाथ पालन हेतु आर्थिक विश्लेषण	30

परिचय

झाबुआ मध्यप्रदेश का आदिवासी बाहुल्य जिला है। इस जिले की पहचान यहाँ पर पाई जाने वाली मुर्गी की प्रजाति कड़कनाथ के कारण पूरे देश में है। कड़कनाथ कुक्कुट आदिवासी बाहुल्य झाबुआ जिला ही नही अपितु मध्यप्रदेश राज्य का गौरव है तथा वर्तमान में कड़कनाथ पक्षी झाबुआ जिले की पहचान बना हुआ है कड़कनाथ की उत्पति झाबुआ जिले के कट्ठीवाड़ा, अलीराजपुर के जंगलो में हुई है। क्षेत्रीय भाषा में कड़कनाथ को कालामासी भी कहा जाता है क्योंकि इसका मॉस, चोंच, कलंगी, जुबान, टागें, नाखून, चमड़ी इत्यादी काली होती है। जो कि मिलैनिन पिगमेन्ट की अधिकता के कारण होता है इसके मॉस में प्रोटीन प्रचुर मात्रा में तथा वसा न्युनतम मात्रा में होता है जिसके ह्रदय व डायवटिज रोगीयों के लिए उत्तम आहार है। इसका मॉस स्वादिष्ट व आसानी से पचने वाला है इसकी इसी विशेषता के कारण बाजार में इसकी माँग काफी होती है एवं काफी उच्चीं दरों पर विक्रय किया जाता है।

कड़कनाथ की तीन प्रजातियॉ (जेट ब्लैक, पैन्सिल्ड, गोल्डन) पायी जाती है जिसमें से जेट ब्लैक प्रजाति सबसे अधिक मात्रा में एवं गोल्डन प्रजाति सबसे कम मात्रा में पायी जाती है, नर कड़कनाथ का औसतन वजन 1.80 से 2.00 किलो ग्राम तक होता है, मादा कड़कनाथ का औसतन वजन 1.25 से 1.50 किलो ग्राम तक होता है, कड़कनाथ मादा प्रतिवर्ष 60 से 80 अण्डे देती है, इनके अण्डे छोटे मध्यम आकार के हल्के भुरे गुलाबी रंग के व वजन में 30 से 35 ग्राम के होते है।

यह प्रजाति अपने काले मॉस जो उच्च गुणवत्ता, स्वादिष्ट एवं औषधिय गुण वाला होने के कारण जानी जाती है। लेकिन धीरे–धीरे इसकी संख्या मे कमी एवं अनुवांशिक विकृती के कारण इसका अस्तित्व खतरे में है। ग्रामीण विकास ट्रस्ट, झाबुआ द्वारा इसके महत्व एवं विलुप्तता को देखते हुए नाबार्ड बाड़ी विकास परियोजना अन्तर्गत कड़कनाथ पालन को कृषकों के कृषि के साथ जीवन यापन का आधार बनाने हेतू कार्य योजना को मुर्त रुप दिया।